ई-कॉमर्स पर खादी के छोटे उद्यमियों को मिलेगी पहचान

खादी महोत्सव

- योगी सरकार खादी को दे रही वैश्विक पहचान
- क्रेता, विक्रेता सम्मेलन से उद्यमियों को मिलेगा बाजार

लखनऊ, संवाददाता। गोमती नगर के केंद्रीय संस्कृत विश्वविद्यालय में उप्र. खादी तथा ग्रामोद्योग बोर्ड की ओर से चल रहे खादी महोत्सव में एक ई कॉमर्स कंपनी के स्टेट हेड अतुल कुशवाहा ने कहा कि ई कॉमर्स प्लेटफार्म पर खादी उत्पादों को पसंद किया जा रहा है। ऑनलाइन मार्केट से जुड़ने पर छोटे उद्यमियों को राष्ट्रीय स्तर पर पहचान और उचित मूल्य प्राप्त होगा।

एनबीआरआई के मुख्य वैज्ञानिक डॉ. महेंद्र पाल ने खादी फैब्रिक पर नेचुरल ऑर्गेनिक प्रिंटिंग के प्रयोग और इसके व्यावसायिक उपयोग के बारे में बताया। उन्होंने एनबीआरआई की ओर से विकसित ऑर्गेनिक कलर, हर्बल गुलाल एवं प्राकृतिक मेहंदी को भविष्य के सफल उद्यम मॉडल के रूप में प्रस्तुत किया। वहीं सीमैप के वैज्ञानिक राम सुरेश शर्मा, फैशन डिजाइनिंग विशेषज्ञ अनुशा मिश्रा, गांधी आश्रम के देवी प्रसाद शर्मा समेत अन्य अधिकारियों ने भी उद्यमियों को मार्गदर्शन प्रदान किया। उद्यमियों ने कहा कि योगी सरकार की खादी व ग्रामोद्योग को राष्ट्रीय-बाजार से जोड़ने की पहल से ग्रामीण अर्थव्यवस्था व स्वरोजगार को मजबूती मिली है। राज्य सरकार की यह कोशिश ग्रामीण कारीगरों को नई पहचान दिलाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रही है। कार्यक्रम का संचालन कर रहे दीप प्रकाश ने बताया कि कार्यक्रम में प्रतिभाशाली कलाकारों शुभम, हर्निका, लवकुश एवं हर्शाली ने मंच पर अपनी मनमोहक प्रस्तुतियों से सभी दर्शकों को मुग्ध कर दिया।